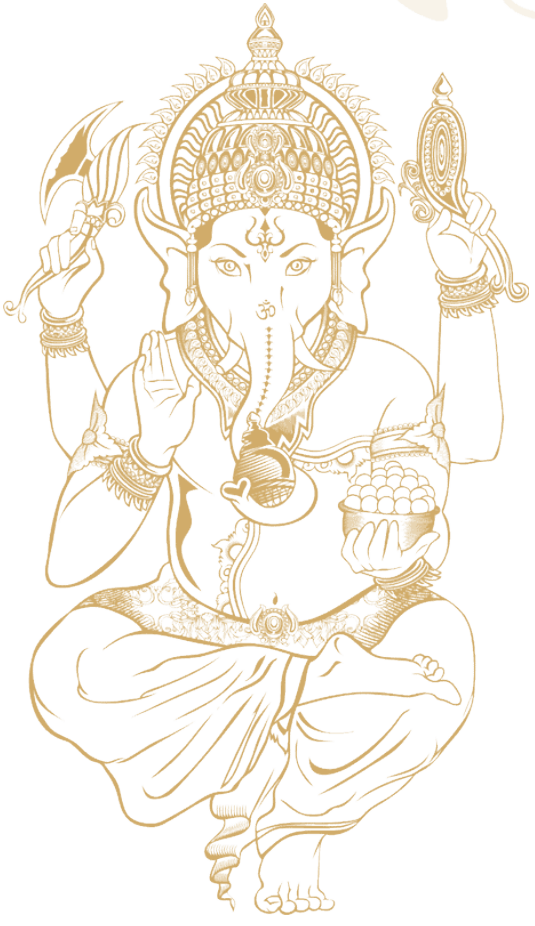

Shivam

08 Jan 2000

06:30 AM

Bulandshahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121471104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**7-08/01/2000**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**06:30:00 घंटे**
इष्ट	58:13:41 घटी
स्थान	**Bulandshahr**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:30:00 उत्तर
रेखांश	77:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:11:16 घंटे
वेलान्तर	-00:05:56 घंटे
साम्पातिक काल	13:18:54 घंटे
सूर्योदय	07:12:31 घंटे
सूर्यास्त	17:37:06 घंटे
दिनमान	10:24:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	23:11:07 धनु
लग्न के अंश	11:49:40 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	हर्षण
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:49:40	341:00:52	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			धनु	23:11:07	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मक	07:12:30	12:01:14	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	सम राशि
मंगल			कुंभ	09:11:01	00:46:32	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
बुध		अ	धनु	18:20:16	01:35:42	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु			मेष	01:44:15	00:03:45	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	15:38:37	01:12:56	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
शनि	व		मेष	16:27:04	00:00:28	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	09:47:54	00:00:11	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	09:47:54	00:00:11	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	21:17:38	00:03:11	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप			मक	09:34:35	00:02:12	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	17:49:31	00:02:00	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			कन्या	27:29:29	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:13

लग्न-चलित

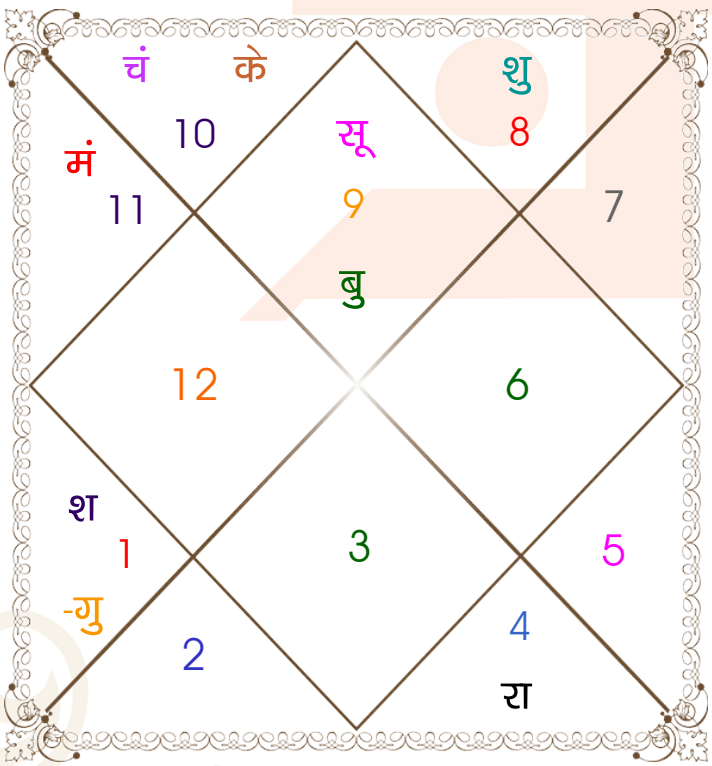

चन्द्र कुंडली

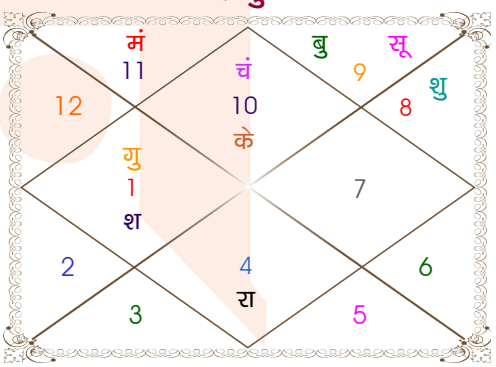

नवमांश कुंडली

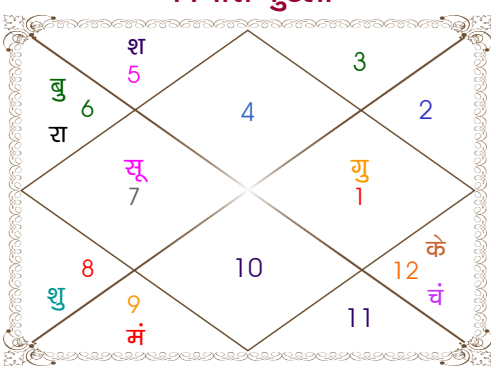

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 3 मास 2 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
08/01/2000		11/04/2001		11/04/2011		11/04/2018		10/04/2036	
11/04/2001		11/04/2011		11/04/2018		10/04/2036		10/04/2052	
	00/00/0000	चंद्र	09/02/2002	मंगल	07/09/2011	राहु	22/12/2020	गुरु	30/05/2038
	00/00/0000	मंगल	10/09/2002	राहु	25/09/2012	गुरु	18/05/2023	शनि	10/12/2040
	00/00/0000	राहु	11/03/2004	गुरु	01/09/2013	शनि	24/03/2026	बुध	18/03/2043
	00/00/0000	गुरु	11/07/2005	शनि	10/10/2014	बुध	10/10/2028	केतु	22/02/2044
	00/00/0000	शनि	09/02/2007	बुध	08/10/2015	केतु	28/10/2029	शुक्र	23/10/2046
	00/00/0000	बुध	11/07/2008	केतु	05/03/2016	शुक्र	28/10/2032	सूर्य	11/08/2047
	08/01/2000	केतु	09/02/2009	शुक्र	05/05/2017	सूर्य	22/09/2033	चंद्र	10/12/2048
केतु	10/04/2000	शुक्र	10/10/2010	सूर्य	10/09/2017	चंद्र	24/03/2035	मंगल	16/11/2049
शुक्र	11/04/2001	सूर्य	11/04/2011	चंद्र	11/04/2018	मंगल	10/04/2036	राहु	10/04/2052

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/04/2052		11/04/2071		10/04/2088		11/04/2095		12/04/2115	
11/04/2071		10/04/2088		11/04/2095		12/04/2115		00/00/0000	
शनि	14/04/2055	बुध	07/09/2073	केतु	06/09/2088	शुक्र	11/08/2098	सूर्य	31/07/2115
बुध	22/12/2057	केतु	04/09/2074	शुक्र	07/11/2089	सूर्य	11/08/2099	चंद्र	29/01/2116
केतु	31/01/2059	शुक्र	05/07/2077	सूर्य	14/03/2090	चंद्र	12/04/2101	मंगल	05/06/2116
शुक्र	02/04/2062	सूर्य	11/05/2078	चंद्र	14/10/2090	मंगल	12/06/2102	राहु	30/04/2117
सूर्य	15/03/2063	चंद्र	11/10/2079	मंगल	12/03/2091	राहु	11/06/2105	गुरु	16/02/2118
चंद्र	13/10/2064	मंगल	07/10/2080	राहु	29/03/2092	गुरु	10/02/2108	शनि	29/01/2119
मंगल	22/11/2065	राहु	26/04/2083	गुरु	05/03/2093	शनि	12/04/2111	बुध	06/12/2119
राहु	28/09/2068	गुरु	01/08/2085	शनि	14/04/2094	बुध	10/02/2114	केतु	09/01/2120
गुरु	11/04/2071	शनि	10/04/2088	बुध	11/04/2095	केतु	12/04/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 3 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।